वर्ल्ड रैंकिंग में 9 पायदान पीछे रहीं साइना ने सिंधु को हराकर गोल्ड जीता

» श्रीकांत गोल्ड से चूके, सिल्वर से करना पड़ा संतोष » भारत के इस कॉमनवेल्थ गेम्स में अब तक 66 मेडल में 26 गोल्ड है

गोल्ड कोस्ट, 15 अप्रैल (ए)। कॉमनवेल्थ गेम्स में 11वें और आखिरी दिन भारत ने कुल 6 मेडल जीते। इनमें चार मेडल बैडमिंटन के हैं। साइना नेहवाल ने गोल्ड, पीवी सिंधु, किदांबी श्रीकांत और सात्विक रंकी रेड्डी और चिराग चंद्रशेखर शेट्टी की जोड़ी ने सिल्वर मेडल अपने नाम किए। वुमेन्स सिंगल्स के फाइनल मुकाबले में साइना ने वर्ल्ड रैंकिंग में अपने से 9 पायदान ऊपर सिंधु को 21-18, 23-21 से हरा दिया। दोनों के बीच इंटरनेशनल टूर्नामेंट का यह चौथा फाइनल मुकाबला था। इनमें से तीन में साइना ने जीत दर्ज की। वहीं, किदांबी मेन्स सिंगल्स के फाइनल में मलेशिया के ली चोंग वेई से 19-21, 21-14, 21-14 से हार गए। मेन्स डबल्स में सात्विक और चिराग को इंग्लैंड के मार्क्स एलिस और क्रिस लैंग्रिज की जोड़ी ने 21-13, 21-16 से हराया। पहला सेट (22 मिनट): लंदन ओलंपिक की ब्रॉन्ज मेडलिस्ट साइना ने सिंधु के खिलाफ अच्छी शुरुआत की। हालांकि सिंधु ने वापसी की और लगातार पांच अंक लिए। लेकिन साइना ने अपने अनुभव का लाभ उठाते हुए 21-18 से सेट अपने नाम कर लिया। दूसरा सेट (34 मिनट): वर्ल्ड नंबर 3 सिंधु ने अच्छी शुरुआत की। एक समय स्कोर 16-14 से सिंधु के पक्ष में था, लेकन साइना ने फिर अनुभव का लाभ उठाते हुए शानदार वापसी की और स्कोर ड्यूस (20-20) कराया। बाद में 23-21 से सेट और मैच जीतने के साथ ही गोल्ड मेडल अपने नाम किया। सिंधु को भले ही गोल्ड कोस्ट में सिल्वर मेडल से संतोष करना पड़ा हो, लेकिन वे 2014 ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में मिले ब्रॉन्ज मेडल का रंग बदलने में जरूर कामयाब रहीं।

कॉमनवेल्थ गेम्स में 3 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बनीं साइना

साइना कॉमनवेल्थ गेम्स में 3 गोल्ड जीतने वाली पहली भारतीय शटलर बन गईं हैं। उन्होंने इस कॉमनवेल्थ गेम्स में मिक्स्ड टीम इवेंट का गोल्ड और वुमेन्स सिंगल्स में गोल्ड जीता। साइना 2010 दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में भी वुमेन्स सिंगल्स का गोल्ड अपने नाम कर चुकी हैं। भारत ने गोल्ड कोस्ट में बैडमिंटन में अब तक 4 मेडल जीते हैं। इनमें दो गोल्ड, एक सिल्वर और एक ब्रॉन्ज मेडल हैं।

मेन्स सिंगल्स - श्रीकांत गोल्ड से चूके सिल्वर से करना पड़ा संतोष

पहला सेट: वर्ल्ड नंबर 1 किदांबी श्रीकांत ने मलेशिया के ली चोंग वेई को 21-19 से हराया। यह सेट 23 मिनट तक चला।

- **दूसरा सेट:** ली चोंग ने 21 मिनट तक चले सेट में किदांबी को 21-14 से हराया।
- **तीसरा सेट:** ली चोंग ने किदांबी को 21-14 से हराया और गोल्ड मेडल अपने नाम किया। यह सेट 21 मिनट तक चला।
- वर्ल्ड नंबर 7 ली चोंग का कॉमनवेल्थ गेम्स में यह 7वां गोल्ड मेडल है।

मेरा अगला टारगेट अगला ओलंपिक मेडल जीतना और दोबारा वर्ल्ड नंबर वन बनना है : साइना

जीत के बाद साइना ने कहा, यह जीत मेरे पिता, मेरी मां और देश को समर्पित है। असल में मेरा टारगेट अगला ओलिंपिक मेडल और फिर से वर्ल्ड नंबर 1 रैंकिंग हासिल करना है। चोट के कारण मैं रियो ओलिंपिक में नहीं जा पाई थी। उसके बाद आज यहां गोल्ड जीतना बहुत भावुक क्षण है। मैंने कोर्ट पर मूवमेंट फास्ट करने के लिए पिछले कुछ महीने में अपना वजन 5 किलो घटाया है।

साइना-सिंधु हेड टू हेड

	साइना नेहवाल	पीवी सिंधु
उम्र	28 साल	22 साल
रैंकिंग	12	3
सिंगल्स करियर	478 मैच खेले- 340 जीते	347 मैच खेले-242 जीते

इंटरनेशनल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबलों में साइना -सिंधु

साल	टूर्नामेंट	विजेता
2014	इंडिया ग्रांड प्रिक्स गोल्ड	साइना नेहवाल
2017	योनेक्स सनराइज इंडिया ओपन	पीवी सिंधु
2018	दाईहात्सू इंडोनेशिया मास्टर्स	साइना नेहवाल
2018	कॉमनवेल्थ गेम्स वुमेन्स सिंगल्स फाइनल	साइना नेहवाल

सात्विक-चिराग ने हार कर भी बनाया रिकॉर्ड

सात्विक रंकीरेड्डी और चिराग चंद्रशेखर रेड्डी ने मेन्स डबल्स में सिल्वर जीता। फाइनल में उन्हें इंग्लैंड के मार्क्स एलिस और क्रिस लैंग्रिज की जोड़ी ने 2-0 (21-13, 21-16) से हराया। सात्विक और चिराग भले ही हार गए हों, लेकिन उन्होंने रिकॉर्ड बना दिया है।

सात्विक-चिराग मेन्स डबल्स का फाइनल खेलने वाली पहली भारतीय जोड़ी बन गई है।

पदक तालिका: टॉप 5 देश

देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
ऑस्ट्रेलिया	80	59	59	198
इंग्लैंड	45	45	46	136
भारत	26	20	20	66
कनाडा	15	40	27	82
न्यूजीलैंड	14	16	15	45

11वें दिन:भारत ने जीते 6 मेडल

भारत ने 11वें दिन 1 गोल्ड, 4 सिल्वर और 2 ब्रॉन्ज समेत 7 मेडल जीते।

इस तरह भारत के अब कॉमनवेल्थ गेम्स में कुल 504 मेडल हो गए हैं।

कुल मेडल	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज
504	181	175	148

कॉमनवेल्थ गेम्स : 84 साल के इतिहास में तीसरा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

साल	कॉमनवेल्थ गेम्स	मेडल	मेडल टैली में स्थान
2018	गोल्ड कोस्ट	66	तीसरा
2010	दिल्ली	101	दूसरा
2002	मैनचेस्टर	69	चौथा

कॉमनवेल्थ गेम्स की शुरुआत 1930 में हुई थी। भारत पहली बार 1934 शामिल हुआ। तब से अब तक 20 कॉमनवेल्थ गेम्स हो चुके हैं। इनमें दिल्ली कॉमनवेल्थ गेम्स में वह अंक तालिका में दूसरे नंबर पर था। विदेश में वह पहली बार (गोल्ड कोस्ट) टॉप 3 में जगह बनाने में सफल रहा।

गोल्ड कोस्ट में भारत के 66 मेडल, सबसे ज्यादा 16 शूटिंग में

खेल	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल	खेल	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
शूटिंग	7	4	5	16	बैडमिंटन	2	3	1	6
रेसलिंग	5	3	4	12	एथलेटिक्स	1	1	1	3
वेटलिफ्टिंग	5	2	2	9	स्क्वैश	0	2	0	2
बॉक्सिंग	3	3	3	9	पैरा पॉवरलिफ्टिंग	0	0	1	1
टेबल टेनिस	3	2	3	8	कुल	26	20	20	66

कॉमनवेल्थ गेम्स : सबसे कामयाब भारतीय पैडलर रहीं मणिका बत्रा

चारों कैटेगिरी में जीते मेडल; इनमें 2 गोल्ड भी शामिल

गोल्ड कास्ट, 15 अप्रैल (ए)। गोल्ड कोस्ट कॉमनवेल्थ गेम्स रविवार को खत्म हो गए। इस इवेंट में भारत की ओर से 217 खिलाड़ियों ने भाग लिया। इनमें दिल्ली की 22 साल की मणिका बत्ता सबसे कामयाब एथलीट रहीं। उन्होंने टेबल टेनिस इवेंट में चार मेडल अपने नाम किए। इसके साथ वे टेबल टेनिस के इतिहास में 4 मेडल जीतने वाली पहली महिला प्लेयर भी बन गईं। उन्होंने ये मेडल सिंगल्स, वुमेन्स टीम, वुमेन्स डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में जीते। बता दें कि इस बार भारत ने 26 गोल्ड, 20 सिल्वर और 20 ब्रॉन्ज समेत 66 पदक अपने नाम किए।

कॉमनवेल्थ गेम्स में मणिका का प्रदर्शन

मणिका ने सिंगापुर की वर्ल्ड नंबर-4 फेंग तेनवे (वुमेन्स टीम) और पूर्व वर्ल्ड नंबर-9 मेंगयू यू (सिंगल्स) को हराकर गोल्ड जीतने में सफल रहीं। इन दोनों की जोड़ी से ही डबल्स के फाइनल में उनको हार का सामना करना पड़ा।

इवेंट	मेडल
वुमेन्स टीम	गोल्ड
वुमेन्स डबल्स	सिल्वर
वुमेन्स सिंगल्स	गोल्ड
मिक्स्ड डबल्स	ब्रॉन्ज

मॉडलिंग को छोड़ टेबल टेनिस को चुना

दिल्ली के नारायणा विहार की रहने वाली मणिका को जीएस एंड मैरी कॉलेज में पढ़ते वक्त मॉडलिंग का ऑफर मिला था। वह इस ओर भी अपना करियर बना सकती थीं। लेकिन उन्होंने टेबल टेनिस में ही अपनी मेहनत जारी रखी। मणिका ने बताया कि वह चार साल की उम्र से टेबल टेनिस खेल रही हैं। उन्होंने कहा, खुदकिस्मत हूं कि मेरे खेल की वजह से ही मुझे कॉमनवेल्थ गेम्स में लीड करने का मौका मिला और लीडर होने का रोल मैं अच्छे से निभा सकी। सिंगापुर की दोनो टॉप रैंक की प्लेयर को हराना सुखद अनुभव रहा। लेकिन, डबल्स में उनसे ही मिली हार से जरूर थोड़ी निराशा हुई। उनकी मां सुषमा बत्रा ने कहा कि मुझे खुशी है कि उसने देश का नाम ऊंचा करने के लिए सही रास्ता चुना।

मणिका के एचीवमेंट

मणिका ने 2011 में चिली ओपन में अंडर-21 आयु वर्ग में सिल्वर मेडल हासिल किया। 2014 कॉमनवेल्थ गेम्स और एशियन गेम्स क्वार्टरफाइनल तक पहुंची। कॉमनवेल्थ टेबल टेनिस चैंपियनशिप में 3 मेडल जीते। 2016 साउथ एशियन गेम्स में 3 गोल्ड देश को दिलाए। वुमन डबल्स, मिक्सड डबल्स और टीम में ये गोल्ड हासिल किए। वे रियो ओलिंपिक में कोटा प्राप्त कर सकीं, लेकिन ओलंपिक में पहले राउंड में ही हार का सामना करना पड़ा। मणिका ने वर्ल्ड टेबल टेनिस चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने वाली भारत की पहली महिला प्लेयर बनीं। वे इस समय भारत की नंबर वन प्लेयर हैं।

गोल्ड कोस्ट जाने से पहले जर्मनी में ली थी ट्रेनिंग

मणिका ने बताया कि गोल्ड कोस्ट में मेडल जीतने के लिए जर्मनी में एक महीना स्पेशल ट्रेनिंग हासिल की। वहां पर गेम में तेज सर्विस, स्मैश और गेंद कंट्रोल को बेहतर करने का अभ्यास किया। इस ट्रेनिंग का फायदा ही उन्हें इस कॉमनवेल्थ गेम्स में मिला है।

मैचों के कार्यकम की वजह से हम अधिक पदक जीतने से चूके : गोपीचंद

गोल्ड कोस्ट, 15 अप्रैल (ए)। भारत के मुख्य कोच पुलेला गोपीचंद ने कहा कि राष्ट्रमंडल खेलों में भारत के असाधारण प्रदर्शन का आकर्षण टीम स्पर्धा का ऐतिहासिक स्वर्ण पदक रहा लेकिन उन्होंने मैचों के कार्यकम की आलोचना की। उनका मानना है कि खराब कार्यक्रम ने उन्हें और अधिक पदक जीतने से वंचित किया। भारत के बैडमिंटन खिलाडियों ने राष्ट्रमंडल खेलों में अब तक का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और इस दौरान टीम स्पर्धा का स्वर्ण पदक भी जीता। भारत ने महिला एकल में स्वर्ण और रजत पदक जीतने के अलावा पुरुष एकल और युगल में रजत तथा महिला युगल में कांस्य पदक भी जीता।

यह टूर्नामेंट अश्विनी का रहा

गोपीचंद ने भारत का अभियान समाप्त होने के बाद कहा, ''कुल मिलाकर अगर आप हमारा प्रदर्शन देखें तो यहां जिस तरह चीजें हुई उससे मैं काफी खुश हूं। टीम स्वर्ण पदक आकर्षण रहा। मिश्रित टीम स्पर्धा में मलेशिया को हराना शानदार रहा।'' उन्होंने कहा, ''मेरी नजर में यह टूर्नामेंट अश्विनी का रहा। सात्विक और अश्विनी पदक जीत सकते थे। टीम चैंपियन में उनकी जीत के साथ भारत की 1-0 की बढ़त महत्वपूर्ण थी और इस बीच श्रीकांत को ली चोंग वेई को हराने का आत्मविश्वास दिया। मुझे लगता है कि यह बड़ी जीत थी।

कार्यक्रम थोड़ा अनुकूल होता तो और पदक जीतते

भारतीय खिलाडियों विशेषकर युगल जोडियों को खराब कार्यक्रम के कारण एक ही दिन में एक से अधिक मैच खेलना पड़ा और गोपीचंद इससे खुश नहीं हैं। उन्होंने कहा, ''मैं सिर्फ यही कहूंगा कि अगर हम भाग्यशाली होते, अगर कार्यकम थोड़ा अनुकूल होता तो हम और पदक जीत सकते थे। एचएस प्रणय दो करीबी मैच हारा, पहले ली चोंग वेई से और फिर राजीव ओसेफ से और वह इनमें से एक जीत सकता था। मिश्रित युगल में अश्विनी और सात्विक का मुकाबला करीबी था जिसमें हम एक और पदक जीत सकते थे।'' गोपीचंद ने कहा, ''साइना-सिंधू फाइनल शानदार था। श्रीकांत का रजत पदक और सात्विक-चिराग तथा सिक्की-अश्विनी का पदक भी बेहतरीन था। यह आलराउंड प्रदर्शन था।''

बिली स्टेनलेक रहे हैदराबाद की जीत के हीरो, की शानदार गेंदबाजी

नई दिल्ली, 15 अप्रैल (ए)। आईपीएल 2018 के दसवें मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीमों के बीच मुकाबला हुआ। कप्तान केन विलियमसन के अधर्शतक की बदौलत हैदराबाद ने कोलकाता को 5 विकेट से हरा दिया और इसी के साथ हैदराबाद की टूर्नामेंट में यह लगातार तीसरी जीत रही। इस मुकाबले में शानदार प्रदर्शन हैदराबाद के बिली स्टेनलेक ने किया जिस कारण उन्हें मैन ऑफ द मैच मिला बिली को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिला, लेकिन उन्होंने कोलकाता के दो अहम विकेट चटकाए। उन्होंने मैच के आठवें ओवर की चौथी गेंद पर खतरनाक साबित हो रहे नितीश राणा को आउट किया। राणा दो चौके और एक छक्के की मदद से 16 गेंदों पर 18 रन बनाकर पवेलियन लौटे। वहीं उन्होंने दूसरा विकेट आंद्रे रसेल का झटका। रसेल एक छक्का लगाकर 5 गेंदों पर 9 रन बनाकर आउट हो गए।

डेनिएल ने जीता चाइनीज ग्रां प्री का खिताब, जूते में शैंपेन पीकर मनाया जश्न

शंघाई, 15 अप्रैल (ए)। रेडबुल के आस्ट्रेलियाई ड्राइवर डेनिएल रिकार्डो ने रविवार को जबरदस्त रेस में चाइनीज ग्रां प्री फार्मूला वन का खिताब अपने नाम कर लिया जो उनके करियर की छठी ग्रां प्री जीत है। आस्ट्रेलियाई रेसर ने रेस में छठे स्थान से शुरूआत की थी और सेफ्टी कार के आने के बाद करियर में छठी बार ग्रां प्री जीत ली। रिकार्डो ने जीत का जश्न अपने अंदाज में मनाया और अपने जूते में शैंपेन डालकर पी। उन्होंने कहा, मैं ऊबाऊ रेस नहीं जीतता। यहां काफी मजा आया।

टीम ने जो काम किया उसका फल मिला : रिकार्डो ने शनिवार को ईंजन में खराबी के बावजूद सेकंड के अंतर से ही क वालीफाइंग में जगह बनाई थी। उन्होंने अपनी टीम का शुक्रिया अदा करते हुए कहा, 24 घंटे पहले तक मुझे लग रहा था कि मैं ग्रिड में सबसे पीछे था लेकिन आज मैं विजेता हूं। मेरी टीम ने जो काम किया है यह उसका फल है।

हैमिल्टन पांचवें नंबर पर रहे

चैंपियनशिप के लीडर सेबेस्टियन वेटल पोल पोजिशन से शुरू करने के बावजूद फाइनल रेस में आठवें नंबर पर रहे। उनकी मैक्स वेरस्टेपन के साथ टक्कर हुई जिन्हें जर्मन खिलाड़ी को टक्कर मारने के लिए 10 सेकंड की पेनल्टी मिली। गत विश्व चैंपियन लुईस हैमिल्टन पांचवें नंबर पर रहे जबकि हॉलैंड के वेरस्टेपन पेनल्टी के बावजूद चौथे नंबर पर रहे।